[Shri R.S. Naik]

you, to the delay in the establishment of Mangalore Refinery and Petro-Chemicals Project in Karnataka. Madam, the establishment of Mangalore Refinery and Petro-chemicals Project is delayed for one reason or the other during all these years. This project was cleared by the Planning Commission about six years ago. In the year 1987, the Government of India approved the project to be set up A tripartite agreement has already been signed in June,1987 between the Government of India, the Hindustan Petroleum Corporation Ltd. and the Indian Rayon Industries Ltd. of the Aditya Birla group. Consultancy contract for preparation of detailed project has also been signed in June, 1988 Detailed project report is already under preparation and is likely to be submitted to the Government of India very soon. The said project is likely to go on stream during early 1992, but no work has been started so far.

The State Government has agreed to provide all assistance, infrastructure and support requested for by the project authorities. Karnataka State Government has already taken advance action on some important items like acquisition of land measuring around 1350 acres, construction of barrage for water supply, construction of approach road, etc. Besides that, even in regard to the downstream industries the State Government has taken action by commissioning the Engineers India Limited for preparation of techno-economic feasibility report which has been furnished to the Department of Chemicals and Petro-chemicals and Government of India.

Madam, I urge upon the Government that formal clearance of the project should not await submission of the DPR Which is more in the nature of a blueprint for implementation. Hence I request the Government to fulfill the aspirations of the people and a long-standing commitment to our State. I hope that the Government will seriously think over this issue and examine what action should be taken at certain appropriate levels for early sanction and implementation of the project. With these words, I conclude.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Shri Ram Naresh Yadav—Not here. Shri Subramanian Swamy— Not here. Shri R.S. Naik-Not here.

**Need to prohibit Cabaret Dances and Indecent Exposure in the Country**

**श्रीमती सत्या बहिन** (उत्तरप्रदेश): महोदया, मैं आपकी धन्यवादी हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस है, जोकि सम्पूर्ण विश्व में मनाया जा रहा है। मैं नारी वर्ग की तरफ से प्रधान मंत्री, श्री राजीव गांधी, की आभारी हूं जिन्होंने महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत स्थान देने की घोषणा की है।

एक तरफ तो इस प्रकार के आयोजन स्वयं महिलाओं को दिये जाने वाले समाज में सम्मान के प्रतीक है। दूसरी तरफ कुछ ऐसे कार्य-काला हैं जो महिला वर्ग के माथे पर कलंक हैं।

महोदया, इस विषय में मैं आज महिला दिवस के उपलक्ष में इस सदन के माध्यम से सरकार से दिल्ली और पूरे देश में होने वाले कैबरे नृत्यों और नारी वर्ग के अंग-प्रदर्शन के आयोजनों को समाप्त करने का निवेदन करना चाहूंगी। कैबरे घरों में अर्ध-नग्न नृत्य भारतीय संस्कृति के बिलकुल खिलाफ है तथा सम्पूर्ण महिला वर्ग के लिए कलंक है।

मै इन पर सख्ती से प्रतिबंध लगाने की मांग करती हूं। इस प्रकार के आयोजन समाज की मानसिक सोच को विकृत करते हैं, तथा अपराधों को जन्म देते हैं।

आज इसी प्रकार विज्ञापन एजेंसियां भी अपने व्यवसाय के लिए महिलाओं के अपमानजनक चित्र प्रदर्शित करती है। इन पर रोक लगाई जानी चाहिए। समाज में महिला वर्ग को सम्मान दिलाना है, तो उसकी मजबूरी में नारी का दुरुपयोग होने से बचाइये। गत दिनों दक्षिण दिल्ली के एक होटल से 75 महिलाओं, काल गर्ल्स को पुलिस ने गिरफ्तार किया। इनके आयोजको के खिलाफ कठोर

कार्यवाही की जानी चाहिए तथा उन बेबस, बेरोजगार, बेसहारा महिलाओं को रोजगार के साधन उपलब्ध कराये जाएं, जो मजबूरी में इन घृणित अपराधों मे लिप्त हैं।

इसके साथ ही मैं यह भी निवेदन करुंगी कि फिल्म सेंसर बोर्ड को भी सरकार अश्लील दृश्यों को फिल्माने पर कड़ी नज़र रखने के निर्देश दें तथा रात्रिकालीन चलने वाली वयस्क फिल्मों का टेलीविज़न प्रसारण भी बंद किया जाए एवं मद्यनिषेध की तरफ भी ध्यान दिया जाए। अश्लील फिल्में तथा मादक द्रव्य यह महिला वर्ग पर होने वाले अत्याचारों को जन्म देते हैं, मैं सरकार से निवेदन करती हूं कि समाज और आने वाली पीढ़ी के स्वस्थ मानसिक विकास के लिए समाज का स्वस्थ वातावरण भी बनाना पड़ेगा।

नारी को व्यवसाइयों का शिकार होने से बचाया जाए। भारत की विश्व भर मे नैतिकता की दृष्टि से गौरवपूर्ण प्रतिष्ठा है और इस प्रतिष्ठित साख को बनाए रखना हमारा परम् कर्तव्य है आज सम्पूर्ण विश्व युवा पीढ़ी की तेजी से विकृत होती जा रही मानसिकता से चिंतित है। मादक पदार्थ, नारी देह का शोषण। अपराध ये तीनों सामाजिक बीमारियां एक-दूसरे मे जुडी हुई है। नारी देह के शोषण, को सख्ती से रोका जाए। मादक पदार्थों को प्रतिबंधित किया जाए तो समाज से अपराध स्वयं कम हो जायेंगे और समाप्त हो जायेंगे और विध्वंसात्मक प्रवृत्तियां भी समाप्त होंगी। समाज का चिंतन स्वस्थ होगा तो देश के विकास की दिशा में रचनात्मक वातावरण बनेगा। धन्यवाद।

**डा॰ अबरार अहमद खान** (राजस्थान): उप सभापति महोदया, मैं इसका समर्थन करता हूं और आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के दिन श्रीमती सत्या बहिन ने जो विशेष उल्लेख उठाया है मैं भी अपने आपको उससे जोड़ता हूं। जो कैबरे डांस के बारे में और अंग प्रदर्शन के बारे में श्रीमती सत्या बहिन ने कहा है, मैं भी आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करता हूं कि इस पर तत्काल बैन लगाना चाहिए क्योंकि इससे देश का नैतिक पतन होता है। धन्यवाद।

**कुमारी सईदा खातून** (मध्य प्रदेश): मैं भी इसका समर्थन करती हूं क्योंकि रीसेटली रिप्रेजेंटेशन आफ् विमेस बिल पास होने के बाद भी आज महिलाओं को उड़िया प्रेस में पेश किया जाता है और उन लोगों को एक किस्म से अपमानित किया जाता है, महिला जगत में अपमानित किया जाता है। इसलिए इनके स्पेशल मेंशन का मैं समर्थन करती हूं।

**Violation of Central Guidelines on exemptions under Urban Land Ceiling law in Karnataka.**

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh): Madam Deputy Chairman, during Mr. Ramakrishna Hegde's tenure as Chief Minister of Karnataka, in all 128 societies received permission to buy land at rockbottom prices to the tune of 10,134 acres around Banglaore, mostly by violating the Central guidelines on exemptions to Urban Land Ceiling Act. Of these 128 societies, 79 societies are bogus or fronts for builders and construction companies, invariably involving Mr. Hegde's relatives or close friends. Therefore, permission given to these societies should all be cancelled. The Registrar of Co-operative Societies, Karnataka, had ordered an enquiry under Section 64 of the Karnataka Co-operative Societies Act, 1959.

SHRI VIRENDRA VERMA (Uttar Pradesh): Is it relevant?

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL (Punjab): This is a very serious matter and it is relevant.

*(Interruptions)*

SHRI VIRENDRA VERMA: It is a State subject.

SHRI MIRZA IRSHADBAIG (Gujarat): This is the Council of States. Chairman has allowed him.

SHRI ARANGIL SREEDHARAN (Kerala): Madam, I am on a point of order. Mr. Ramakrishna hegde is the most brilliant former Chief Minister of Karanataka. He is not present in this House. So, when a person is not present in this House, this type of raising allegations and free trading of allegations